चैट रूम

यह क्या है? ऐसी वेब साइट जिसमें लोग संदेश टाइप करके एक-दूसरे से बात करते हैं। आम तौर पर यह बातचीत किसी शौक या खास विषय को लेकर होती है।

क्यों लुभाता बच्चों का मन? आपका बच्चा ऐसे कई लोगों से बातें कर सकता है, जिनसे शायद ही वह कभी मिला हो, मगर जिनके शौक एक-जैसे हैं।

खतरों से रहिए खबरदार! चैट रूम का इस्तेमाल अकसर ऐसे लोग करते हैं, जो मासूम बच्चों को अपनी हवस का शिकार बनाने की फिराक में रहते हैं। उनका इरादा होता है, किसी बच्चे को फुसलाना ताकि वे उसके साथ इंटरनेट पर या आमने-सामने मिलकर लैंगिक संबंध रख सकें। इस सिलसिले में, *आखिर इंटरनेट पर आपके बच्चे कर क्या रहे हैं?* (अँग्रेज़ी) किताब की एक लेखिका के अनुभव पर गौर कीजिए। जब वह इस बात पर खोजबीन कर रही थी कि इंटरनेट का सावधानी से कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है, तो उसने एक बार इंटरनेट पर खुद को 12 साल की लड़की बताया। इसके बाद क्या हुआ, इस बारे में किताब कहती हैः "फौरन एक व्यक्ति ने उसे प्राइवेट चैट रूम में आने के लिए कहा। (प्राइवेट चैट रूम में सिर्फ गिने-चुने लोग जा सकते हैं।) इस पर उस लेखिका ने बताया कि उसे प्राइवेट चैट रूम में जाना नहीं आता। तब उस व्यक्ति ने लेखिका को प्राइवेट चैट रूम में आने में मदद दी। आखिर में, उसने लेखिका से पूछा कि क्या वह उसके साथ [इंटरनेट पर] लैंगिक संबंध रखना चाहती है।"

इंस्टंट मैसेज

यह क्या है? एक ऐसी इंटरनेट सेवा, जिससे दो या ज़्यादा लोग एक-दूसरे को फौरन संदेश भेजकर बातें करते हैं।

क्यों लुभाता बच्चों का मन? इंस्टंट मैसेज में एक नौजवान अपने दोस्तों की एक सूची बनाता है, जिसमें से वह किसी से भी बातचीत करने का चुनाव कर सकता है। इसलिए इसमें कोई ताज्जुब नहीं कि कनाडा में लिए गए एक सर्वे के मुताबिक, 16 और 17 साल के 84 प्रतिशत नौजवान इंस्टंट मैसेज के ज़रिए अपने दोस्तों से बातचीत करते हैं। और वे इसमें हर दिन एक से भी ज़्यादा घंटे बिता देते हैं।

खतरों से रहिए खबरदार! इंस्टंट मैसेज के ज़रिए होनेवाली बातचीत, आपके बच्चे की पढ़ाई या किसी ऐसे काम में अड़ंगा डाल सकती है, जो उसे पूरा मन लगाकर करने की ज़रूरत है। और फिर यह पता लगाना भी मुश्किल है कि आपका बेटा या बेटी किससे बातें कर रहा/रही है। क्योंकि इंस्टंट मैसेज के ज़रिए होनेवाली बातचीत किसी को सुनायी नहीं देती।

ब्लौग

यह क्या है? एक ऐसी वेब साइट जो एक डायरी का काम करती है।

क्यों लुभाता बच्चों का मन? ब्लौग में नौजवानों को अपने खयालों, दिल की गहराई में छिपे जज़बातों और दूसरे कामों को लिखाई में उतार लेने का पूरा-पूरा मौका मिलता है। ज़्यादातर ब्लौग में लेख पढ़नेवालों के लिए खाली जगह दी होती है, जहाँ वे अपने विचार लिख सकते हैं। बहुत-से बच्चे यह जानकर खुशी से झूम उठते हैं कि किसी ने उनका लेख पढ़कर जवाब दिया है।

खतरों से रहिए खबरदार! ब्लौग में दिए लेख कोई भी पढ़ सकता है। कुछ नौजवान बिना सोचे-समझे ऐसी बातें लिख देते हैं, जिनसे दूसरों को उनके परिवार या स्कूल के बारे में पता चल जाता है। या फिर लोग जान जाते हैं कि वे कहाँ रहते हैं। एक और गौर करने लायक बात यह है कि ब्लौग के ज़रिए लोगों पर कीचड़ उछाला जा सकता है। यहाँ तक कि खुद लेख लिखनेवालों की इज़्ज़त मिट्टी में मिल सकती है। इससे एक इंसान का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। क्योंकि कुछ कंपनियों के मालिक किसी को नौकरी पर रखने से पहले उसका ब्लौग पढ़ते हैं।